

# किसान नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े : जसवंत सिंह

■ लोकभूत , बीकानेर

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की वैरायटी आरएच -725 के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान तेजा राम कूकणा के खेत पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह थे। विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रतिनिधि पेमा राम कूकणा, तेजाराम कूकणा एवं प्रगतिशील किसान रामकुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि की नई तकनीक और



अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े। सरसों की किस्म आरएच-725 की अब मार्केट में डिमांड बहुत ज्यादा है। प्राइवेट कंपनियों के बीज से कहीं सस्ता ये बीज सरकार उपलब्ध करवा रही है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के

सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय गांव में जिस तरह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय का बीकानेर आने का कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर

गांव के लोग चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि सरसों की किस्म आरएच-725 बहुत कम पानी में बफ्फर पैदावार देती है। इसमें 2-3 पानी या फंब्बारे से केवल 4 पानी देने की आवश्यता

होती है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत स्नातकोत्तर अध्यक्षता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि पेमासर गांव में सरसों की वैरायटी आरएच-725 के कुल 36 प्रदर्शन लगाए गए हैं। प्रगतिशील किसान रामकुमार ने कहा कि इस किस्म में रोग न के

बराबर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। किसान अर्जुन राम ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की बात सुनते तो हैं लेकिन कई बार अपनी मनमर्जी कर देते हैं इससे किसानों को नुकसान होता है। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के बाद सभी ने सरसों की किस्म आरएच-725 के खेत में लगे प्रदर्शन देखे। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि पेमाराम कूकणा, प्रसार शिक्षा निदेशक और कुलपति के ओएसडी डॉ योगेश कुमार शर्मा, केवीके बीकानेर के विद्युष्क वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर, पेमासर गांव के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ मुशील कुमार ने किया।

# किसान नई तकनीक और अच्छी बैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े- जसवंत सिंह, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त एसकेआरएयू के गोद लिए हुए गांव पेमासर में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

हमारा समाचार

बीकानेर। स्वामी केशवाननंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की बैरायटी आरएच-725 के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान तेजा राम कूकणा के खेत पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह थे। विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रतिनिधि पेमा राम कूकणा, तेजाराम कूकणा एवं प्रगतिशील किसान रामकुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ



अरूण कुमार ने की। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि की नई तकनीक और अच्छी बैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े।

सरसों की किस्म आरएच-725 की अब मार्केट में डिमांड बहुत ज्यादा है। प्राइवेट कंपनियों के बीज से कहीं सस्ता ये बीज सरकार उपलब्ध करवा रही है। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय गांव में जिस तरह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय का बीकानेर आने का कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर गांव के लोग चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अनुसंधान

निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि सरसों की किस्म आरएच-725 बहुत कम पानी में बफर पैदावार देती है। इसमें 2-3 पानी या फंच्चारे से केवल 4 पानी देने की आवश्यता होती है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि पेमासर गांव में सरसों की बैरायटी आरएच-725 के कुल 36 प्रदर्शन लगाए गए हैं। प्रगतिशील किसान रामकुमार ने कहा कि इस किस्म में रोग न के बराबर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। किसान अर्जुन राम ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की बात सुनते तो हैं लेकिन कई बार अपनी

मनमर्जी कर देते हैं इससे किसानों को नुकसान होता है। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के बाद सभी ने सरसों की किस्म आरएच-725 के खेत में लगे प्रदर्शन देखे। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि श्री पेमाराम कूकणा, प्रसार शिक्षा निदेशक और कुलपति के ओएसडी डॉ योगेश कुमार शर्मा, केबीके बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर, पेमासर गांव के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।





# किसान नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े : अतिरिक्त संभागीय आयुक्त

सीमा किरण

» एसकेआरएच० के गोद लिए हुए गांव पेमासर में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

**बीकानेर।** स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की वैरायटी आरएच-725 के प्रथम पर्किट प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान तेजा राम कूकणा के खेत पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्री जसवंत सिंह थे। विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रतिनिधि पेमा राम कूकणा, तेजाराम कूकणा एवं प्रगतिशील किसान रामकुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि की नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करे ताकि आय बढ़े। सरसों की किस्म आरएच-725 की अब मार्केट में डिमांड बहुत ज्यादा है। प्राइवेट कंपनियों के बीज से कहीं सस्ता ये बीज सरकार उपलब्ध करवा रही है।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने



कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय गांव में जिस तरह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय का बीकानेर आने का कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर गांव के लोग चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ विजय

प्रकाश ने कहा कि सरसों की किस्म आरएच-725 बहुत कम पानी में बंफर पैदावार देती है। इसमें 2-3 पानी या फंब्वारे से केवल 4 पानी देने की आवश्यता होती है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि पेमासर गांव में सरसों की वैरायटी आरएच-725 के कुल 36 प्रदर्शन लगाए गए हैं।

प्रगतिशील किसान रामकुमार ने

कहा कि इस किस्म में रोग न के बराबर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। किसान अर्जुन राम ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की बात सुनते तो हैं लेकिन कई बार अपनी मनमर्जी कर देते हैं इससे किसानों को नुकसान होता है। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के बाद सभी ने सरसों की किस्म आरएच-725 के खेत में लगे प्रदर्शन देखे। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि पेमाराम कूकणा, प्रसार शिक्षा निदेशक और कुलपति के ओएसडी डॉ योगेश कुमार शर्मा, केवीके बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर, पेमासर गांव के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

# किसान नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े- जसवंत सिंह, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त

एसकेआरएयू के गोद लिए हुए गांव पेमासर में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

सरसों की वैरायटी आरएच -725 के प्रथम पर्याप्त प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

हिंदुस्तान से रुबरु

बीकानेर(सुरेश जैन) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की वैरायटी आरएच -725 के प्रथम पर्याप्त प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान तेजा राम कूकणा के खेत पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह थे।



विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रतिनिधि पेमा राम कूकणा, तेजाराम कूकणा एवं प्रगतिशील किसान रामकुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने

कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि की नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करे ताकि आय बढ़े। सरसों की किस्म आरएच-725 की अब मार्केट में डिमांड बहुत ज्यादा है। प्राइवेट

कंपनियों के बीज से कहीं सस्ता ये बीज सरकार उपलब्ध करवा रही है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय गांव में जिस तरह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय का बीकानेर आने का कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर गांव के लोग चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि सरसों की किस्म आरएच-725 बहुत कम पानी में बफर पैदावार देती है। इसमें 2-3 पानी या फंब्वारे से केवल 4 पानी देने की आवश्यता होती है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि पेमासर गांव में सरसों की वैरायटी आरएच-

725 के कुल 36 प्रदर्शन लगाए गए हैं। प्रगतिशील किसान रामकुमार ने कहा कि इस किस्म में रोग न के बराबर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। किसान अर्जुन राम ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की बात सुनते तो हैं लेकिन कई बार अपनी मनमज्जी कर देते हैं इससे किसानों को नुकसान होता है। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के बाद सभी ने सरसों की किस्म आरएच-725 के खेत में लगे प्रदर्शन देखे। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि श्री पेमाराम कूकणा, प्रसार शिक्षा निदेशक और कुलपति के ओएसडी डॉ योगेश कुमार शर्मा, केवीके बीकानेर के विशिष्ट वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर, पेमासर गांव के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

# किसान नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े: अतिरिक्त संभागीय आयुक्त

■ तेज़. रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की वैरायटी आरएच -725 के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान श्री तेजा राम कूकणा के खेत पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्री जसवंत सिंह थे। विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रतिनिधि श्री पेमा राम कूकणा, श्री तेजाराम कूकणा एवं प्रगतिशील

किसान श्री रामकुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्री जसवंत सिंह ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि की नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करे ताकि आय बढ़े। सरसों की किस्म आरएच-725 की अब मार्केट में डिमांड बहुत ज्यादा है। प्राइवेट कंपनियों के बीज से कहीं सस्ता ये बीज सरकार उपलब्ध करवा रही है। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय गांव में जिस तरह से

विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल मकाबीकानेर आने का कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर गांव के लोग चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि सरसों की किस्म आरएच-725 बहुत कम पानी में बफर पैदावार देती है। इसमें 2-3 पानी या फंब्वारे से केवल 4 पानी देने की आवश्यता होती है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ

राजेश कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया की पेमासर गांव में सरसों की वैरायटी आरएच-725 के कुल 36 प्रदर्शन लगाए गए हैं। प्रगतिशील किसान श्री रामकुमार ने कहा कि इस किस्म में रोग न के बराबर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। किसान श्री अर्जुन राम ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की बात सुनते तो हैं लेकिन कई बार अपनी मनमर्जी कर देते हैं इससे किसानों को नुकसान होता है। कार्यक्रम के आखिर में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के बाद सभी ने सरसों की

किस्म आरएच-725 के खेत में लगे प्रदर्शन देखे। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि श्री पेमाराम कूकणा, प्रसार शिक्षा निदेशक और कुलपति के ओएसडी डॉ. योगेश कुमार शर्मा, केवीके बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर, पेमासर गांव के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. सुशील कुमार ने किया।

## मुकेश पुरोहित बने भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष

केसरीसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी ने



## किसान नई तकनीक-अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े : सिंह

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की वैरायटी आरएच -725 के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के तहत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रसार शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान तेजा राम कूकणा के खेत पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह थे। श्री सिंह ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि की नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बढ़े। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय गांव में जिस तरह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होने कहा कि राज्यपाल का बीकानेर आने का कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर गांव के लोग चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि सरसों की किस्म आरएच-725 बहुत कम पानी में बंपर पैदावार देती है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि पेमासर गांव में सरसों की वैरायटी आरएच-725 के कुल 36 प्रदर्शन लगाए गए हैं। प्रगतिशील किसान रामकुमार ने कहा कि इस किस्म में रोग न के बराबर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# किसान नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करें ताकि आय बड़े- जसवंत सिंह

**बीजानेर।** यामी केजालानंद राजपथन कृषि विभागियालय के गोद निए गांव पेमासर में शुक्रवार को सरसों की बिरायटी आरएच -725 के प्रथम चीक प्रदर्शन के तहत प्रशोध दिवस का उत्तोलन किया गया। प्रसार गिरा निदेशालय की ओर से प्रगतिशील किसान ली तेजा राम कूकण के सेतु पर झापोडिल कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी अंतिरिक संभागीय आपूरुत जसवंत सिंह थे। विशेष अंतिरिक सरपंच प्रतिनिधि येम राम कूकण, तेजाराम कूकण एवं प्रगतिशील किसान रामकुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति द्वारा अस्त्र कुमार ने की। अंतिरिक संभागीय आपूरुत जसवंत सिंह ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा बताई जा रही कृषि को नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल करे ताकि उत्तम फसल हो। सरसों को किसम आरएच-725 की आब मार्केट में हिमांड बहुत न्याय है। प्राइवेट कंपनियों के बीज से कहीं सस्ता पै बीज सरकार उपलब्ध करवा रही है।



कुलपति द्वारा अस्त्र कुमार ने कहा कि जिता प्रशायन के साहियोग से कृषि विभागियालय गांव में विस तरह से विभिन्न कार्यक्रम आपोडिल कर रहा है। अब वो दिन दूर नहीं जब पेमासर गांव एक अदर्श गांव के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय का बीजानेर अने का

कार्यक्रम जल्द बन रहा है अगर गांव के सीधे चाहेंगे तो यहां किसान मेला और किसान प्रदर्शनी का उत्तोलन किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक द्वारा विवर प्रकाश ने कहा कि सरसों की किसम आरएच-725 बहुत जम पानी में बफर दिलावर रही है।

इसमें 2-3 घनी या फौलारी से केवल 4 घनी देने की अनुशंख होती है। इसमें पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत सातकोलर अधिकारी द्वारा जेल कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए, बताया कि पेमासर गांव में सरसों की बिरायटी आरएच-725 के कृत

36 प्रदर्शन संग्रह गए हैं। प्रगतिशील किसान रामकुमार ने कहा कि इस किसम में रोग न के बहावर आता है। कम पानी में अच्छी फसल होती है। किसान जरूर यम ने कहा कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की बात मुनहती हो है लेकिन कही बार अपनी मनमती कर देते हैं इससे किसानों को नुकसान होता है। कार्यक्रम के आखिर में कृषि विभागियालय के अधिकारी द्वारा कार्यक्रम के बाद सभी ने सरसों की किसम आरएच-725 के खेत में लगी प्रदर्शन देते। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि येम राम कूकण, प्रसार गिरा निदेशक और कुलपति के ओपरेटर द्वारा बीमोज कुमार शर्मा, केवीके बीजानेर के बरित वैज्ञानिक व अध्यक्ष द्वारा दुर्गा सिंह गमेत कृषि विभागियालय के सभी दोन डायरेक्टर, पेमासर गांव के गवर्नर्नर्न लोग बही संख्या में उपस्थित रहे। संघ संचालन द्वारा सुशोल कुमार ने किया।

एसकेआरएयू के गोद लिए हुए गांव पेमासर में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन  
किसान नई तकनीक और अच्छी वैरायटी का बीज इस्तेमाल  
करें ताकि आय बढ़े: जसवंत सिंह अतिरिक्त संभागीय आयुक्त

चीकानेर (मृदुल  
पत्रिका)। स्थापी केशवनंद  
गणधर्मान कृषि विवरणालय के  
गैरिद लिखा गए गोमासन में शुक्रवर  
की सरसंख्या की विवरणी अमात्य -  
725 के प्रथम वर्षाका प्रदर्शन के  
तहत प्रस्तुत रिपोर्ट का आयोगन  
किया गया। प्रश्नार जिल्हा निदेशालय  
की ओर से प्रगतिशील किसान  
तेज राम कृष्णा के द्वारा पा  
आयोजित कार्यक्रम के मुक्त  
अवलिखि अंतिरिक्त संचालोप  
आयुक्त जमानों मिल गे। जिल्हा

वर्गीय राष्ट्रपति प्रतिनिधि गेंगा हाम  
कृष्ण, लेपाराम कृष्ण एवं  
प्राचीनोंने किसान राष्ट्रकुमार थे  
कल्पकम करे अप्यचाराकृतिं ह  
ठसान कुमार ने की। अतीतक  
सभार्थीय अनुसार जलाशय मिल  
करते कि किसान कृषि वैज्ञानिक  
के द्वारा बाईं जा गई कृषि की न  
लकनीक और अन्तीम वैज्ञानिक  
नील इसोलात करे ताकि आ  
यह। सरसे की किसम उत्तरपथ  
725 की ओर यांकट में दिमां  
बहुत जल्द डै। इंडोट कंपनिं

के जीव में कहीं समझ नहीं आया है।  
जुतपाति जी अकल कुमार ने कहा कि जिस प्रश्नमन के सहित भी जीव  
जहाँ परिवर्कित हो गांव में जिस  
लहर से विधिपन कार्यक्रम  
आयोगित कर रहा है। अब वो दिन  
दूर नहीं जब ऐसाकर गृष्ण एक  
अद्वितीय गांव के रूप में जन्म  
जाएगा। उन्होंने कहा कि हाजरपाल  
महोदय का चौकाने आने का

मेला और किसान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय निवेशक द्वारा वित्तीय प्रकाश ने कहा कि सामग्रे को किसी तरार-725 चूल्हा कम जानी में बहुत फ़िल्हाल देरी है। इसमें 2-3 जानी या फ़ालों से कैप्चल 4 जानी देने की अप्रक्रिया होती है। इसमें युवं कार्पेक्टम की शुरूआत स्नातकोत्तर अधिकारी द्वारा गृहीत कुमार यर्म ने स्नातक पदवी देते हुए यहां पर्याप्त किया है। यहां में सामग्रे की वैश्वायटी अंतरार-725 के कुल 36 प्रदर्शनी

तनाव या है। पुराणीलोट किलान  
गुप्तकुमार ने कहा कि इस किसी में  
रोग न के बलाकर आता है। कम  
जाने में अच्छे फलाद होते हैं।  
किलान अर्जुन द्वय ने कहा कि  
किलान कौण वैज्ञानिकों की चाह  
मुनाहे तो है तो किन कई यात आने  
मनवाले कर देते हैं इससे किलान  
को नुकसान होता है। कार्यक्रम के  
जारीदार में कौण मालिनिलाल के  
अभिभूत हो गए क्योंकि याद्य ने  
मनवाद लिए किया। कार्यक्रम  
के बाद सभी ने मारसं की किम्ब

अलालय-725 के खोल में तरी  
छद्मीन देखो।

काशीकाश में राजवंश प्रतिनिधि  
पेमालाम कृकणा, पुस्तक शिला  
निर्देशक और कुमारी के  
ओहमटी ती चोमेश कुमार लाल,  
फैजोके मोक्षनेत्र के बाहित वैज्ञानिक  
य आध्यात्म ती दुर्गा शिंह समेत कुमि  
पिलावीमध्यात्म के सभी तीन  
खायोरेटर, पेमालाम लाल के  
बायपाल्य तीन बड़ी संस्कृत में  
उपस्थित हो। याए संस्कृत ती  
सुर्योत्त कुमार ने किया।